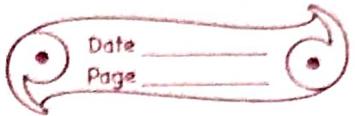


H.W.  
14.1.21



## मेरा प्रियमित्र

मेरे प्रिय मित्र का नाम रोहन है। वह मेरे साथ ही मेरी कक्षा में पढ़ता है। वह अपने दाढ़ी और लाली और भित्ता माता के साथ विजय नमर में रहता है। रोहन बहुत ही समझदार और आध्याकाशी बालक है। वह हमेशा बड़ी का आदर करता है। विद्यालय में सभी के लिए उसका व्यवहार बहुत ही बिनम्र है। वह कभी किसी से झगड़ता नहीं है। वह सबकी मदद करता है। उसकी कौपी किताबें बहुत ही साफ़ व सुंदर रहती हैं। मेरा मित्र सभय के महत्व को जानता है। वह नियमानुसार अपना कार्य करता है। वह सभय

पर विद्यालय पहुँचता है। उसने अपने दिन  
के सभी कार्यों की एक समय तालिका  
बना रखी है। वह कक्षा में हमेशा प्रथम आवं  
हता है। वह खेलों में भी आगे रहता है। और  
उनके पुरस्कार प्राप्त करता है। विद्यालय की  
उस पर मर्दी है। उसके इन्हीं गुणों से  
प्रभावित होकर मैंने उसे अपना मिस्र बनाया है।  
मैरे मिस्र पर मुझे ही नहीं बल्कि मैरे माता  
पिता की भी गर्व है।